Chapter- 2

अहिंसा के दूत

STUDY NOTES

MIND MAP

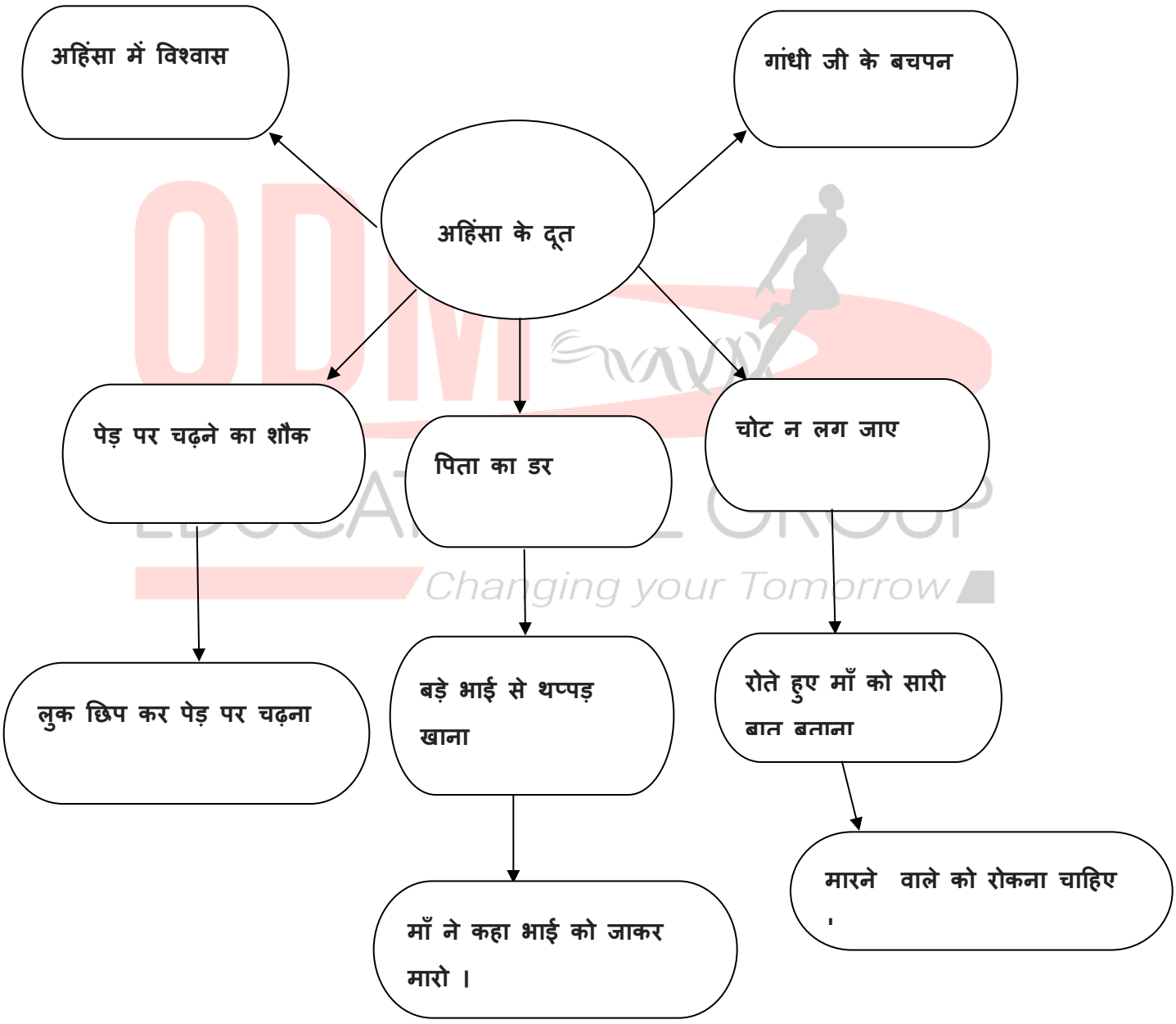

पाठ प्रवेश

- गाँधी की मानना है कि बिना अहिंसा के सत्य की खोज असंभव है, अहिंसा वस ज्योति है, जिसके द्वारा मुझे सत्य का साक्षात्कार होता है। अहिंसा यदि साधन है तो सत्य साध्य है। वे दोनों को एक ही सिक्के के दो पहलू मानते है। अहिंसा के लिये आवश्यक है कि प्रत्येक दशा मे सत्य का पालन किया जाये।
- अहिंसा के तत्व --1. सत्य 2. हृदय की पवित्रता 3.दृढ़ता4. निर्भीकता
- 5. प्रेम
- गाँधी जी का कहना था की सभी व्यक्तियों और जीवधारियों के साथ प्रेम का व्यवहार किया जाना चाहिए। महात्मा गांधी का विश्वास था कि प्रेम मे वह शक्ति है जिसकी मदद से असंभव को भी संभव किया जा सकता हैं।
  गाँधी जी ने कहा है " अहिंसा का अर्थ प्रेम का समुद्र और बैर भाव का त्याग है। अहिंसा मे सफल होने के लिए लगन का आवश्यक है यदि लगन नही होगी तो व्यक्ति मे अहिंसा के लिए उत्कंठा और उतावलापन नही होगा। इसलिए हमेशा व्यक्ति को साहस, लगन और धैर्य के साथ अहिंसा के सिध्दान्तों का पालन करना चाहिए। अहिंसा मे दिनता, भीरूता बिल्कुल न हो और डरकर भागना भी नही होना चाहिए। अहिंसा मे दृढ़ता, वीरता, तथा निश्चलता होनी चाहिए।

पाठ सार

- बचपन में गांधीजी को प्यार से सभी मोहन के स्थान पर मोनिया कहते थे। पेड़ पर चढ़ना उसका शौक था। घर के लोगों को पेड़ से मोनिया के गिरने का डर लगता, किंतु वह निर्भीक था। एक दिन वह अमरूद के पेड़ पर चढ़ गया। वह नीचे उतरता, इसके पहले ही उसकेबड़े भाई वहां आ गए।
- उन्होंने उसे पेड़ पर चढ़े देखा, तो नाराज होकर उसे दो-चार थप्पड़ रसीद कर दिए। मोनिया रोते हुए मां के पास पहुंचा और बोला- 'मां! भाई ने मुझे मारा।' मां ने सहज भाव से कह दिया- 'जा, तू भी उसे मार आ।' मां के ऐसा कहते ही वह गंभीर होकर बोला- 'ऐसा तुम कहती हो, मां? मैं अपने बड़े भाई पर हाथ उठाऊं?' मां ने हंसते हुए कहा- 'तो क्या हुआ? भाई-बहनों में तो लड़ाई-झगड़ा होता ही रहता है।' मोनिया तत्काल मां की बात काटते हुए बोला- 'तुम गलत हो मां, जो बड़े को मारने की सीख देती हो। भाई मुझसे बड़े हैं।
- वे भले मुझे मार लें, किंतु मैं उन्हें नहीं मारूंगा।' मां यह सुनकर चकित रह गईं। उन्होंने तो बड़े भाई को मारने की बात साधारण रूप में कह दी थी। मोनिया ने फिर कहा- 'मां! जो मारता है, उसे तुम क्यों नहीं रोकतीं? तुम्हें उससे कहना चाहिए कि वह नहीं मारे, न कि मार खाने वाले से कहना चाहिए किवह बड़े भाई को मारे।' अपने पुत्र के पवित्र हृदय पर मां का सीना गर्व से फूल उठा। वे मोनिया को गले लगाकरबोलीं- 'बेटा!

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

- तूने इतनी अच्छी बातें कहां से सीखीं? मालूम नहीं कि ईश्वर ने तेरे लिए क्या भाग्य रचा है?' आगे चलकर इसी मोनिया ने महात्मा गांधी के रूप में न केवल अपने देश, बल्कि विदेशों से भी अगाध श्रद्धा पाई और आज वे विश्व के महान आदर्श माने जाते हैं। सार यह है कि बड़ों का सम्मान छोटों का कर्तव्य है, किंतु इसकी शिक्षा बड़ों को अपने आचरण के द्वारा छोटों को देनी चाहिए।

****

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow